Note : If you would like to view or download the entire book please go through home page of Jain eLibrary Website – www.jainelibrary.org and register your e-mail id (or sign in if previously registered).

Rajendrasuri Smarak Granth

Folder No.	012068
Granth Name	Rajendrasuri Smarak Granth
Author	Yatindrasuri
Publisher	Saudharmbruhat Tapagacchiya Jain Swetambara Shree Sangh, Aahor
Edition	1
Year	1957
Pages	986

श्रीमद् राजेन्द्रसूरि स्मारक ग्रन्थ

फोल्डर नं.	०१२०६८
ग्रन्थ	श्रीमद् राजेन्द्रसूरि स्मारक ग्रन्थ
लेखक	यतीन्द्रसूरि
प्रकाशक	सौधर्मबृहत्तपागच्छिय जैन श्वेताम्बर श्री संघ आहोर
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	१९५७
पृष्ठ	९८६

मुख्य टाइटल
श्री राजेन्द्रसूरि वचनामृत
धन्यवाद और अभिनन्दन
सम्पादकीय वक्तव्य
विषय सूचियाँ
राजेन्द्र खण्ड
- गुरुगुणाष्टक और स्मरणाञ्जलि
  - संस्कृत
  - हिन्दी
  - ગુજરાતી
  - English
- व्यक्तित्व और साहित्यिक जीवन
  - हन्दी
  - ગુજરાતી

राजेन्द्र पुष्पाङ्क
- हिन्दी
  - दर्शन और संस्कृति
    - आचार्य मल्लवादी का नयचक्र-दलसुख मालवणिया ---------- १९१
    - जैन दर्शन-महात्मा भगवानदीनजी ---------- २११

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

उत्सर्ग और अपवाद-उपा. अमरचंदजी ---------- २१९
जैन धर्म का कर्मवाद-पं.चैनसुखदासजी ---------- २२९
कर्मबंधन और मोक्ष-पं.मिश्रीलाल बोहरा ---------- २३४
विश्व के विचारप्रांगण में जैन तत्त्वज्ञान की गंभीरता-रतनलाल संघवी ---------- २३६
अपरिग्रह-गणेशप्रसादजी वर्णी ---------- २५८
जीवों की वेदना-कन्हैयालालजी मुनि ---------- २७४
मरण कैसा हो-उपा. हस्तिमलजी ---------- २८७
भारत की अहां संस्कृति-जयभगवान जैन ---------- २९८
जीवन और अङिंसा-ज्ञानमुनि ---------- ३२६
जैन धर्म में स्त्रियों को समान अधिकार-सावलिया विहारीलाल वर्मा ---------- ३३२
उपासक दशांगसूत्र में सांस्कृतिक जीवन की झांकी-नरेन्द्रकुमार भानावत ---------- ३४४
रूपं रूपं प्रतिरूपो बूव-वासुदेवशरण अग्रवाल ---------- ३५३
सृष्टिकर्ता ईश्वर नहीं-कांतिविजयजी ---------- ३६०
भारतीय संस्कृति के आधार-मंगलदेव शास्त्री ---------- ३६५
पूर्वशिया में भारतीय संस्कृति-रघुवीर आचार्य ---------- ३७७
विशिष्ट योगविद्या-देवेन्द्रविजयजी ---------- ३८४

जिन, जैनागम और जैनाचार्य

जैनागमानाम्परिचय-कल्याणविजयजी ---------- ४०२
श्रीमत्तीर्थङ्कराः तद्वैशिष्ट्यञ्च-कल्याणविजयजी ---------- ४०६
विश्व के उद्धारक-अभयसागरजी ---------- ४११
तीर्थंकर और उसकी विशेषतायें-लक्ष्मीचंद जैन ---------- ४१६
भद्रबाहु श्रुतकेवली-कैलाशचन्द्र शास्त्री ---------- ४२७
विमलार्य और उनका पउमचरियं-ज्योतिप्रसाद जैन ---------- ४३७
यशपुर का ऐतिहासिक महत्व एवं श्री आर्यरक्षितसूरि-मदनलाल शास्त्री ---------- ४५२
मालवमनीषी श्री प्रभाचन्द्रसूरि-एस.एन. व्यास ---------- ४६०
वृत्तिकार श्री अभयदेवसूरि-ऋषभदास रांका ---------- ४६२
देवेन्द्रसूरिकृत नव्य कर्मग्रंथ-मोहनाल महेता ---------- ४६६
लुंकाशाह और उनके अनुयायी-भंवरलाल नाहटा ---------- ४७०
उपा. मेघविजयजी गुम्फिता अर्हद्गीता-पं. रमणीकविजयजी ---------- ४७८
आ. श्री राजेन्द्रसूरिजी की ज्ञानोपासना-अगरचंद नाहटा ---------- ४८६
युगपुरुष श्री राजेन्द्सूरि-पुण्यविजयजी ---------- ४९२
अपभ्रंश साहित्य का मूल्यांकन-देवेन्द्रकुमार ---------- ४९६

जैन धर्म की प्राचीनता और उसका प्रसार

प्राङ्ऐतिहासिक काल में जैन धर्म-कामताप्रसाद जैन ---------- ५०४
जैन धर्म की ऐतिहासिक खोज सुशीलकुमारजी मुनि ---------- ५०९
जैन धर्म की प्राचीनता और उसकी विशेषतायें – उदयलाल नागोरी ---------- ५२९
प्राचीन जैन साहित्य में मुद्रा संबंधी तथ्य-उमाकान्त पी. शाह ---------- ५३५
राजपूताना में जैन धर्म-वासुदेव उपा. ---------- ५४५
राजस्थान में जैन धर्म का ऐतिहासिक महत्त्व-कैलाशचन्द्र जैन ---------- ५४८
जैनागमों में महत्त्वपूर्ण कालगणना-अगरचंद नाहटा ---------- ५६४
महावीरस्वामी का मुक्तिकाल-निर्णय-सी.डी. चटर्जी ---------- ५८०
महावीर की वास्तविक जन्मभूमि वैशाली-योगेन्द्र मिश्र ---------- ५८४

ललित कला और तीर्थमन्दिर

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

कोरटाजी तीर्थ का प्राचीन इतिहास-यतीन्द्रसूरिजी ---------- ५९१
तीर्थक्षेत्र श्री लक्ष्मणीजी-जयन्तविजयजी ---------- ५९७
राजस्थान के जैन मंदिर-पूर्णचन्द्र जैन ---------- ६०२
मथुरा की जैन कला-कृष्णदत्त वाजपेयी ---------- ६०८
जैनस्थापत्य और शल्प अथवा ललितकलादौलतसिंह लोढ़ा ---------- ६१३
हिन्दी जैन साहित्य
हिन्दी और हिन्दी जैन साहित्य-अगरचंद नाहटा, दौलतसिं लोढ़ा ---------- ६१७
जैन धर्म की हिन्दी को देन-राहुल सांकृत्यायन ---------- ६५०
जैन विद्वानों की हिन्दी सेवा-कस्तूरचन्द कासलीवाल ---------- ६५६
संत साहित्य के निर्मराण में जैन हिन्दी कवियों का योगदान-परशुराम चतुर्वेदी ---------- ६६३
जैनाचार्यों की छन्दशास्त्र के लिये देन-गुलाबचन्द्र चौधरी ---------- ६७६
पुराण और काव्य-पन्नालाल साहित्याचार्य ---------- ६८७
जैन कथा साहित्य-फूलचन्द जैन ---------- ६९३
राजस्थानी जैन साहित्य-अगरचन्द नाहटा ---------- ७०३
जीवन की अंतिम साधना-सत्यदेव विद्यालंकार ---------- ७२3
राजेन्द्रसूरि अभिनन्दनम्-दुखमोचन झा ---------- ७२८
ગૂર્જર
યોગાનંદઘન-પાદરાકર ---------- ૭૨૯
જૈનદર્શનમાં વિજ્ઞાન-કાંતિલાલ મોહનલાલ પારેખ ---------- ૭૪3
સંડેરકના પેથડશાહ-વિશાલવિજયજી ---------- ૭૪૮
અપ્રસિદ્ધપ્રાય પાંચ પૂર્વભવો-અભયસાગરજી ---------- ૭૫૬
આચાર્ય દેવભદ્રે કરેલું દેવદ્રવ્યના મૌલિક ભેદોનું વર્ણન-કલ્યાણવિજયજી ---------- ૭૬૪
હિંદુ ધર્મ રૂઢિ-જૈન દૃષ્ટિએ-મજુમદાર ---------- ૭૬૯
જૈનદાર્શનિક સાહિત્ય અ સમ્બન્ધપરીક્ષા-જમ્બૂવિજયજી ---------- ૭૭૪
English
Omniscient Beings-Harisatya Bhattacharya ---------- 790
Jaina, Darsan, Caritra-B C Law ---------- 805
Cultural Relation between India & Japan-Kijiro Miyako ---------- 814
Doctrine of Jainism Alledgedly-Aryadeva, Hajime Nakamura, ---------- 817
Anuttaraupapatika Sutra-K H Kamdar ---------- 820
Antiquity of Jainism-Kelashchandra Jain ---------- 825
Authors and Subjects studied in Rajasthan from the 8th to 18th Century A.D. – Dasaratha Sharma ---------- 841
Phagu-Poem on the Simhasanbatrisi-Bhogilal J Sandesara ---------- 867
संदेश ---------- ८७०

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org